First A- Introduction			
Program: Certificate		**Level –** Second Year	**Session: 2022-23**
Course Title	**Handicraft** Y2-DRA-HNDT		
Course Type	**Vocational**		
Pre-requisite (if any)	**Open to all**		
Course Learning outcomes (CLO)	**After completion of course, students will be able to** • Have a complete knowledge about the extinct art forms and will be able to present their thought and ideas about the same. • Will be acquainted with the endangered tradition of India's handicraft products. • Will develop an understanding about various handicraft materials. • Understand different craft process and techniques. • Design new products for the craft revival and income generation.		
Expected Job Role / career opportunities	• Craftsmen • Designer • Self-employment • Craft teacher		
Credit Value	**2 (Theory) + 2 (Practical) = 04**		

Part B- Content of the Course		
Total No. of Lectures + Practical (in hours per week): **L-1 Hrs / P-1 Hrs)**		
Total No. of Lectures/ Practical: **L-30 /P-30 (60 Hrs)**		
Module	**Topics**	**No. of lectures (Total 30)**
I	Origin and development of Tribal Art and different types of tribal art. • Painting /wall painting/religious painting • Clay art • Metal casting • Tattoo • Handicraft/clothing configuration • Residential art/ Housing construction • Jewellery	**10**
II	2. Introduction to Paper mache art. Paper mache material. Manufacturing progress of paper mache art.	**10**
III	3. Introduction to batik art. Material used in batik art. Manufacturing process of batik art.	**10**

	Practical	No. of lectures
1. 2. 3. 4. 5.	To prepare any two samples of tribal art as per the convenience of your institution. To prepare any two samples of paper mache art as per the convenience of your institution. Any two sample of Batik art of 12" *12"to be prepared as per the convenience of your institution. Product development -Prepare handicraft products by using traditional techniques, which have been studies in theory. (Any two products) As per the convenience of the instition,prepare an advertisement cum promotional activity on various products for exhibition and sale.	30 (02 Hours each)

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Learning Resourse

- Agarwal,Vasudev saran Bhartiya.
- Agarwal,Giriraj Kishor vindh ki lok chirakala, Nandita Sharma.
- Elvin Veriyer tribal art the aadivasi.
- Agarwal ram bharose gond jaati ka samajik adhyan gond sanskriti avam itihas.
- Chatisgarh ki janjatiya aadivart vasant nirgune.
- Kumar monoj, nayi duniya aadivasi me godna parmpara avam mahatav
- Intermediate grade drawing exam.
- Chitran samgri Dr. Rakesh kumar singh.
- Batik for the beginners-Shanta Deshpande.
- Batik kala-Dr.Abdul Mazid.

Project/field trip :- as the local level according to the organization

Note:- according to the institution's constitution, the practical examination can be taken in any one mode.

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम-प्रमाणपत्र		वर्ष -द्वितीय वर्ष	सत्र: 2022-23
पाठ्यक्रम का शीर्षक		हस्तशिल्प V2-DRA-HNDT	
पाठ्यक्रम का प्रकार		व्यावसायिक	
पूर्वापेक्षा(Pre requisite)		सभी संकाय के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध	
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)		इस कोर्स का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी सक्षम हो जाएगा • विलुप्त होती कलाओं के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी देना ताकि वे अपने पैरों पर सुदृढ़ता से खड़े हो सके। • भारत की शिल्प परम्पराओं से परिचित होगा और व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होगा। • विभिन्न शिल्पों की सामग्री का ज्ञान प्राप्त होगा। • विभिन्न शिल्पों की प्रक्रिया और तकनीक को समझेगें। • शिल्प पुनरूद्धार और आय सृजन के लिए नए उत्पाद डिजाईन करना।	
अपेक्षित रोजगार करियर के अवसर		• क्राफ्टमेन • डिजाइनर • स्वरोजगार • उद्यमी • कला शिक्षक	
क्रेडिट मान		2 (सैद्धांतिक) + 2 (प्रायोगिक) = 04	

भाग ब-पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यानों की कुल संख्या + प्रैक्टिकल (प्रतिसप्ताह घंटों में) : व्याख्यान-1घंटा/प्रैक्टिकल अवधि-1घंटा

व्याख्यान /प्रैक्टिकल की कुल संख्या : L-30 hrs/P-30 hrs

मॉडयूल	विषय	घंटे
I	1. जनजातीय कला का उदभव एवं विकास जनजातीय कला की विभिन्न कलाएं • चित्रांकन/भित्ति चित्रण/धार्मिक चित्रांकन • मृदभांड कला • धातु कला/ढड़वा कला (मेटल कास्टिंग) • गोदना • हस्तकरघा/वस्त्र विन्यास • आवासीय कला आवास निर्माण • आभूषण	**10**
II	2. पेपर मेशी कला का परिचय पेपर मेशी कला में उपयोग की जाने वाली सामग्री पेपर मेशी आर्ट की निर्माण प्रक्रिया/विधि	**10**
III	3. बाटिक कला का परिचय बाटिक कला में उपयोग की जाने वाली सामग्री बाटिक कला की निर्माण प्रक्रिया	**10**

माडयूल	प्रायोगिक पाठ्यक्रम	व्याख्यानों की संख्या
1.	जनजातीय कला के कोई दो नमूने अपने संस्थान की सुविधानुसार तैयार करना।	(02 घंटे प्रत्येक)
2.	पेपर मेशी आर्ट के कोई दो नमूने अपने संस्थान की सुविधानुसार तैयार करना।	
3.	बाटिक कला के कोई दो नमूने साईज १२"*१२" या संस्थान की सुविधानुसार तैयार करना।	
4.	उत्पाद विकास : परंपरागत तकनीक से हस्तशिल्प उत्पाद तैयार करना जिन्हें सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में पढ़ा गया है। (कोई भी दो उत्पाद)	
5.	प्रदर्शनी सह बिक्री के अनुसार उत्पाद तैयार करके महाविद्यालय आधार पर या किसी उचित स्थान पर बिक्री हेतु प्रचार प्रसार गतिविधियों मे संस्थान की सुविधानुसार प्रस्तुत करना।	

Project/ Field trip: संस्थान की सुविधानुसार स्थानीय स्तर पर

भाग स-संदर्भ ग्रंथ सूची

- अग्रवाल ,वासुदेव सरन भारतीय,पृथ्वी प्रकाशन।
- अग्रवाल , गिरीराज किशोर विंध्य की लोक चित्रकला ,नंदिता शर्मा
- एलविन वेरियर ट्रायबल आर्ट द आदिवासी
- अग्रवाल राम भरोसे गोण्ड जाति का सामाजिक अध्ययन गोंण संस्कृति एवं इतिहास
- छत्तीसगढ़ की जनजातियां आदिवर्त वसंत निरगुणे
- कुमार मनोज ,नई दुनिया आदिवासी में गोदना परम्परा एवं महत्व
- इंटरमीडियट ग्रेड ड्राइंग एग्जाम
- चित्रण सामग्री डॉ.राकेश कुमार सिंह
- Batik for the beginners- Shanta Deshpande
- बाटिक कला – डॉ अब्दुल मजीद

नोट :- संस्था के सुविधानुसार प्रायोगिक परिक्षा किसी एक विधा मे ली जा सकेगी ।